बीएचईएल ने सीएफबीसी बॉयलरों के लिए सुमितोमो एसएचआई एफडब्ल्यू, फिनलैंड के साथ प्रौद्योगिकी लाइसेंस समझौता किया

नई दिल्ली, 23 दिसंबर: भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने भारत और विदेशों में (चुनिंदा देशों को छोड़कर) सब क्रिटिकल तथा सुपरक्रिटिकल सर्कुलेटिंग फ्लुइडाइज्ड बेड कम्बशन (सीएफबीसी) बॉयलरों के डिजाइन, इंजीनियरिंग, निर्माण, इरेक्शन, कमीशनिंग और बिक्री के लिए सुमितोमो एसएचआई एफडब्ल्यू, फिनलैंड (एसएफडब्ल्यू) के साथ एक दीर्घकालिक प्रौद्योगिकी लाइसेंस समझौता (टीएलए) किया है।

समझौते पर श्री जय प्रकाश श्रीवास्तव, निदेशक (इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास), बीएचईएल और श्री आसिफ हुसैन, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (लाइसेंसिंग, रणनीति और व्यवसाय विकास), एसएफडब्ल्यू ने डॉ. नलिन सिंघल, सीएमडी, बीएचईएल और बीएचईएल के कार्यात्मक निदेशकों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

एसएफ़डबल्यू के साथ टीएलए विद्युत संयंत्रों की मौजूदा उत्सर्जन मानदंडों को पूरा करने की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बीएचईएल की क्षमता को बढ़ाएगा और सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल में योगदान देगा।

सीएफबीसी बॉयलर तकनीक के अनेक निहित लाभ हैं जैसे कि - मौजूदा उत्सर्जन मानदंडों को पूरा करते समय फ्युल फ्लेक्सिबिलिटी और पारंपरिक कोयला आधारित प्रौद्योगिकियों की तुलना में आंशिक भार पर बेहतर ऑपरेशनल फ्लेक्सिबिलिटी। इसके अलावा, सीएफ़बीसी बॉयलरों में SOx और NOx उत्सर्जन कम होता है जिसके कारण अतिरिक्त उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण/प्रणालियों की स्थापना की आवश्यकता नहीं होती है। गौरतलब है कि यह तकनीक बीएचईएल को बायो-मास को-फायर्ड सीएफबीसी बॉयलरों की आपूर्ति में भी सक्षम बनाएगी।

एसएफ़डबल्यू उच्च दक्षता और ऊर्जा के सुगम उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने वाली ऊर्जा और पर्यावरण प्रौद्योगिकियों और सेवाओं का एक वैश्विक, अभिनव प्रदाता है। एसएफ़डबल्यू के पास सीएफ़बीसी तकनीक के लिए सबसे बड़ा वैश्विक नेटवर्क है। कंपनी ने 540 से अधिक सीएफ़बीसी बॉयलरों की आपूर्ति की है, जिसमें पिछले कई वर्षों से सफलतापूर्वक चल रहे बड़े विद्युत संयंत्रों को आपूर्ति किए गए अत्याधुनिक वन्स-थ्रू सुपरक्रिटिकल बॉयलर शामिल हैं।